>

Title: Need to start the construction work at Kanhar Reservoir Scheme in Gadwa district of Palamu Parliamentary Constituency in Jharkhand immediately.

श्री कामेश्वर बैठा (पलामू): महोदय, मैं सदन के माध्यम से जल संसाधन मंत्री का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र के गढ़वा जिला के अंतर्गत चिनिया प्रखंड के ग्राम बारडिह में वर्ष 1975 में स्वीकृत लोकहित कनहर डैम की ओर आकृष्ट कराना चाहूंगा। उक्त योजना का निर्माण कार्य कराने का निर्णय बिहार राज्य (अब झारखंड) मध्य प्रदेश (छत्तीसगढ़) तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों एवं केंद्रीय जल संसाधन मंत्री के साथ दिनांक 16.9.1973 को बाणसागर जल के समझौते पर हुआ। दिनांक 20.2.1982 को समझौते के अनुसार कनहर नदी के जल का बंटवारा के अनुसार 0.43 मिलियन एकड़ फीट पानी मिला तथा 302 मेगावाट बिजली उत्पादन पर समझौता हुआ।

महोदय, 36 वर्ष का समय बीत जाने के बाद केंद्रीय जल आयोग नई दिल्ली ने पंत्रांक 1911 दिनांक 24.9.2010 तथा 289 दिनांक 15.2.2011 द्वारा झारखंड सरकार से कनहर डैम का निर्माण का अद्यतन स्थलीय सर्वेक्षण, संशोधित जल विज्ञान/पुनरीक्षित योजना तथा प्राक्कलन आदि भेजने का निर्देश प्राप्त हुआ। केंद्रीय जल आयोग नई दिल्ली के उक्त पत्र के आलोक में झारखंड सरकार ने अपने पत्रांक 215 दिनांक 03.3.2011 तथा 148 दिनांक 9.3.2011 द्वारा उक्त संबंधी सभी प्रतिवेदन केंद्रीय जल आयोग को स्वीकृति हेतु भेज दी गई है, परन्तु आज तक इसकी स्वीकृति नहीं दी गई है।

MR. CHAIRMAN : You please come to the point. What do you want?

श्री कामेश्वर बैठा : महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि मेरा संसदीय क्षेत्र मरूभूमि जैसा है, पानी के अभाव में इस क्षेत्र का जल स्तर 400 फीट नीचे चला गया है। उक्त योजना निर्माण होने पर 500 गांवों के सिंचाई की सुविधा के साथ-साथ 302 मेगावाट बिजली का उत्पादन भी हो सकता है।

MR. CHAIRMAN: Please wind up.

श्री कामेश्वर बैठा : महोदय, इसी संबंध में माननीय झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई और न्यायालय ने भी इसके तुंत निर्माण हेतु आदेश पारित किया।

महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र का अतिमहत्वपूर्ण लोकहित और कार्यहित योजना है, जिसका निर्माण कराना अतिआवश्यक है। मेरा संसदीय क्षेत्र पहाड़ी है, जंगल है और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। गांव के ज्यादातर लोग पलायन कर चुके हैं। इस योजना को पूरा किया जाए। इससे 500 गांव को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी एवं 302 मेगावाट बिजली के उत्पादन के साथ इस क्षेत्र का जल स्तर भी ऊंचा हो जाएगा।

MR. CHAIRMAN: Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦ **